।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2082 वैशाख शुक्ल तृतीया, 1-15 मई 2025 (1-15 May 2025), • वर्ष 5 (Year-5), • अंक 01 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु.2 (Price 2/-)

क्या पाकिस्तान के लिए भारत से सीधे बैर लेगा चीन?

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर चीन का रुख अस्पष्ट रहा है। तनाव बढ़ने पर चीन ने पहले संयम बरतने की अपील की, फिर पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखा। चीन पाकिस्तान को हथियार सप्लाई करता है और उसकी संप्रभुता का समर्थन करता है।

नई दिल्ली : पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के ऐक्शन पर चीन का रुख साफ नहीं रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर चीन ने पहले तो दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की। फिर अगले ही दिन अपनी बात से मुकरकर पाकिस्तान के साथ खड़े होने की बात की। उसने हर तरह के आतंकवाद का विरोध भी किया। पाकिस्तान के साथ खड़े होकर आतंकवाद का विरोध करना अब दुनिया में किसी के पल्ले नहीं पड़ रहा है। यह साफ हो चुका है कि पाकिस्तान आतंकियों को पैदा करने की सबसे बड़ी फैक्ट्री चलाता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या कंगाल पाकिस्तान के लिए चीन दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से बैर लेगा? आइए, यहां इसे आर्थिक और रणनीतिक पहलुओं से समझने की कोशिश करते हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच जब तनाव बढ़ना शुरू हुआ तो चीन ने 9 मई को दोनों देशों से शांत रहने की अपील की। चीन ने पाकिस्तान का खुलकर समर्थन नहीं किया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि बीजिंग वर्तमान घटनाक्रमों को लेकर चिंतित है। उन्होंने दोनों देशों को याद दिलाया कि वो न केवल एक-दूसरे के पड़ोसी हैं, बल्कि चीन के भी पड़ोसी हैं। उसने यह भी कहा कि वह आतंकवाद का विरोध करता है।

चीन के रुख पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रतिक्रिया भी दी। उन्होंने कहा कि चीन का रुख उतना पाकिस्तान समर्थक नहीं है जितना कि उम्मीद थी। भारत का बाजार चीन के लिए महत्वपूर्ण है। थरूर ने अपनी राय जाहिर करते हुए कहा था कि अगर युद्ध होता है तो चीन पाकिस्तान का समर्थन करेगा। लेकिन, युद्ध को रोकने के लिए चीन रचनात्मक नजरिया अपनाएगा।

हालांकि, 10 मई को चीन की ओर से एक नया बयान आया। इसमें वह पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर आया। उसने कहा कि चीन पाकिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय स्वतंत्रता को बनाए रखने में उसके साथ खड़ा रहेगा। बार-बार बयान बदलना यह दिखाता है कि चीनी खेमे में भी कन्फ्यूजन है।

चीन और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से 'ऑल-वेदर स्ट्रैटेजिक कोऑपरेटिव पार्टनरशिप' है। इसमें सैन्य और आर्थिक सहयोग शामिल है। चीन पाकिस्तान का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर है। पाकिस्तान के आर्सनल में 80 फीसदी हथियार उसी के हैं। यह संभावना नहीं है कि चीन पूरी तरह से भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध चाहता है। ऐसा संघर्ष क्षेत्र को अस्थिर कर सकता है, जो चीन के हित में नहीं है। हालांकि, एक सीमित संघर्ष जहां पाकिस्तान चीनी सैन्य तकनीक का उपयोग करता है, चीन को भारत की सेना के खिलाफ अपने हथियार प्रणालियों के प्रदर्शन पर बहुमूल्य डेटा प्रदान कर सकता है, जो अक्सर पश्चिमी या रूसी उपकरणों का उपयोग करती है। चीन और भारत के बीच सीमा विवाद है। दोनों देशों के बीच संबंध कभी-कभी तनावपूर्ण रहे हैं। चीन दक्षिण एशिया में स्थिरता चाहता है ताकि उसकी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव जैसी आर्थिक परियोजनाएं प्रभावित न हों। एक बड़ा भारत-पाकिस्तान युद्ध इस स्थिरता को खतरे में डाल सकता है। यह परिदृश्य की गंभीरता और चीन के अपने हितों पर निर्भर करेगा। सिर्फ पाकिस्तान के लिए चीन शायद सीधे तौर पर भारत के साथ एक बड़े सैन्य संघर्ष में शामिल नहीं होना चाहेगा। इसके अपने आर्थिक और भू-राजनीतिक जोखिम हैं। चीन पाकिस्तान को राजनयिक, आर्थिक और सैन्य सहायता (जैसे हथियार) प्रदान कर सकता है। उसने अतीत में ऐसा किया है। चीन इस क्षेत्र में शक्ति का संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर सकता है। इसका मतलब कभी-कभी पाकिस्तान का समर्थन करना हो सकता है ताकि भारत बहुत मजबूत न हो जाए।

अगर चीन पाकिस्तान का समर्थन करता है तो उसे कुछ फायदे हो सकते हैं। समर्थन देने से पाकिस्तान चीन पर और अधिक निर्भर हो जाएगा। पाकिस्तान का समर्थन करके चीन भारत पर दबाव बनाए रख सकता है। इससे उसे भारत को अपनी पश्चिमी सीमा पर व्यस्त रखने में मदद मिलेगी। हालांकि, क्षेत्रीय संघर्ष चीन के लिए नकारात्मक परिणाम भी ला सकता है, जैसे कि अस्थिरता और उसकी व्यापारिक परियोजनाओं में बाधा। चीन को भारत की जरूरत है, जितनी पहले कभी नहीं थी। खासकर अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर के बाद। भारत का बाजार चीन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। चीन भारत का बहुत बड़ा ट्रेर पार्टनर है। हालांकि, व्यापार में पलड़ा चीन की ओर झुका है। चीन पर हमें अपनी निर्भरता कम करने की जरूरत है।

पाक से टेंशन के बीच इस दिन शुरू हो सकता है आईपीएल 2025

नई दिल्ली : आईपीएल 2025 एक बार फिर से शुरू होने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया है कि आईपीएल को 16 मई तक शुरू किया जा सकता है। फाइनल मैच 30 मई या 1 जून को होने की उम्मीद है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि बाकी मैच अलग-अलग जगहों पर खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच से होगी। टीमों ने अपने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को वापस बुलाना शुरू कर दिया है। लखनऊ का एकाना स्टेडियम मैच के लिए तैयार हो रहा है। हैदराबाद में क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर होने की संभावना है। कोलकाता में क्वालिफायर 2 और फाइनल हो सकता है। अगर मौसम खराब रहा, तो फाइनल को अहमदाबाद में शिफ्ट किया जा सकता है। बीसीसीआई जल्द ही नया शेड्यूल जारी करेगा। पहले, 9 मई को, बीसीसीआई ने आईपीएल को एक हफ्ते के लिए टाल दिया था। यह फैसला भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते

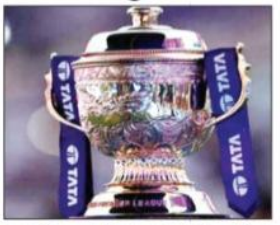

तनाव के कारण लिया गया था। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मैच भी बीच में ही रोक दिया गया था। अब खबर है कि 16 मई से फिर शुरू होगा। सभी टीमें अपने खिलाड़ियों को वापस बुला रही हैं। बीसीसीआई के एक बड़े अधिकारी ने इंडिया टुडे को यह जानकारी दी। फाइनल मैच 30 मई या 1 जून को हो सकता है। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया कि आईपीएल के बाकी मैच अलग-अलग जगहों पर होंगे। बीसीसीआई के सूत्र ने इंडिया टुडे को बताया, 'हमने सभी लोगों को इस बारे में बता दिया है। टीमें अपने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को वापस बुला रही हैं। एकाना स्टेडियम मैच के लिए तैयार हो रहा है। लखनऊ की टीम 13 मई तक आ जाएगी।' हैदराबाद में क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर होने की संभावना है। कोलकाता में क्वालिफायर 2 और फाइनल हो सकता है। लेकिन, अगर मौसम खराब रहा तो क्वालिफायर 2 और फाइनल को कोलकाता से हटाया जा सकता है। अगर बारिश की वजह से मैच में दिक्कत हुई, तो फाइनल अहमदाबाद में होगा। बीसीसीआई जल्द ही नया शेड्यूल जारी करेगा। पहले, 9 मई को, बीसीसीसाई ने आईपीएल को एक हफ्ते के लिए टाल दिया था। ऐसा लग रहा है कि पंजाब और दिल्ली का मैच रद्द हो जाएगा। दोनों टीमों को एक-एक पॉइंट मिलेगा। ज्यादातर विदेशी खिलाड़ी 10 मई को अपने-अपने देश चले गए थे। आरसीबी ने कहा था कि उन्होंने अपने सभी विदेशी खिलाड़ियों को घर भेज दिया है।

Lapcure Health Care Pvt. Ltd.

302, G.T. Road (South), Shibpur, Howrah: 711102

The Best Center for laproscopic, Micro and Laser Surgery.

- One free gall bladder stone operation on every Friday
- Lap Cholecystectomy
- Lap herniaplasty
- Lap total laproscopic hysterectomy
- Lap appendectomy
- Lap kidney stone removal with laser
- Laser piles, fistula, fissure operation

6 हजार से ज्यादा 100 प्रतिशत सफल ऑपरेशन

033 2688 0943 | 9874880657 / 9874880258 / 9330939659

email: lapcurehealthcare23@gmail.com

Super Speciality Doctor's Clinic | Diagnostics | health checks

Treatment Room | Diabetes Care | Vaccination | Health@home

मुस्लिम देशों में अलग-थलग पड़ता पाक

चाड के राजनयिक हिसेन ब्राहिम ताहा, 57 देशों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 12वें महासचिव हैं। 17 नवम्बर, 2021 से वो इस पद को सम्हाल रहे हैं। ताहा, तुर्किये के राष्ट्रपति रिजप तैय्यप एर्दोआन के यस मैन माने जाते हैं। ताहा की आत्मा, तुर्की और एर्दोआन में बसी रहती है। वर्ष 1969 में अपनी स्थापना के बाद से तुर्की, इस्लामिक सहयोग संगठन में एक प्रमुख खिलाड़ी की भूमिका में रहा है। ओआईसी के कई सारे सदस्य मानते हैं, कि तुर्की इस मंच का दुरुपयोग कर रहा है। न्यूयार्क से जारी अपने बयान में, ओआईसी ने दोनों पक्षों के बीच मतभेदों को अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से हल करने का भी आह्वान किया। लेकिन, भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा, कि यह दो देशों के बीच का मामला है, इसमें आपकी नसीहत की ज़रूरत नहीं। पाकिस्तान की पीठ पर हाथ रखकर एर्दोआन जो दाव चल रहे हैं, उससे पूरी दुनिया वाकिफ है। विगत 56 वर्षों से शह-मात का यह खेल चल रहा है। वर्ष 1969 में मोरक्को के किंग हसन द्वितीय ने रबात में 1969 के शिखर सम्मेलन के लिए भारत सरकार को आमंत्रित किया। लेकिन, पाकिस्तान के तत्कालीन शासक जनरल याह्या खान द्वारा, बैठक से बाहर निकलने की धमकी दिए जाने के बाद, शाह हसन द्वितीय ने भारतीय प्रतिनिधियों से बैठक में शामिल न होने का अनुरोध किया।

पाकिस्तान, तेहरान में ओआईसी 1994 सम्मेलन के दौरान, सदस्य देशों को कश्मीर पर ओआईसी संपर्क समूह बनाने के लिए राजी करने में सफल रहा। इस्लामी सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की परिषद का 46वां सत्र 1 और 2 मार्च, 2019 को अबू धाबी में आयोजित किया गया था। तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को संयुक्त अरब अमीरात के उनके समकक्ष शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान द्वारा उद्घाटन समारोह को संबोधित करने के लिए विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। तब पाकिस्तान को शदीद मिर्ची लगी।

पाकिस्तान ने भारत द्वारा अपने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन का हवाला देते हुए उसे शिखर सम्मेलन से निष्कासित करने की मांग की। ओआईसी ने पाकिस्तान के अनुरोध पर कश्मीर संपर्क समूह की आपातकालीन बैठक बुलाई, यह बैठक 26 फरवरी, 2019 को हुई। हालांकि, ओआईसी ने भारत द्वारा पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के उल्लंघन की निंदा की, लेकिन, यूएई ने भारत को निमंत्रण वापस करने से इनकार कर दिया। सुषमा स्वराज उस मंच पर गयी, और अपने ओजपूर्ण भाषण से पाकिस्तान को एक्सपोज़ किया। सभी सदस्य इस बात पर सहमत हुए, कि आतंकवाद को बढ़ाया जाना दक्षिण एशिया के लिए खतरनाक है। ओआईसी के मंच पर यह पाकिस्तान की पहली हार थी। इमरान ख़ान के समय सऊदी अरब से भी ठन गई, जो ओआईसी का दबंग देश है। जेद्दा में ओआईसी का मुख्यालय सऊदी खर्चे पर ही चल रहा है। अन्य कई पूर्वग्रहों के अलावा पाकिस्तान, सऊदी से इस बात पर भी खार खाये था, कि कश्मीर मुद्दे पर वो खुलकर उसका समर्थन नहीं कर रहा। शाह महमूद कुरैशी सऊदी अरब से तपे हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कालालम्पुर सम्मेलन में जाने से हमें रियाद ने रोका था। फाइनेंशियल टाइम्स अखबार के अनुसार, कुरैशी की टिप्पणियों से सऊदी अरब के अधिकारी भड़क गए, जो ओआईसी के मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, उसने 3.2 बिलियन डॉलर की तेल ऋण सुविधा को रोक दिया, और पाकिस्तान से 3 बिलियन डॉलर के ऋण का कुछ हिस्सा चुकाने की मांग की। सिर्फ इतने भर से पाकिस्तान की हवा निकल गई। उन दिनों इमरान खान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे। शाह महमूद कुरैशी ने एक ब्रॉडकास्टर के ज़रिये बयान दिया, मैं एक बार फिर सम्मानपूर्वक ओआईसी से कह रहा हूं कि विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक हमारी अपेक्षा है कि कश्मीर पर बैठक बुलाएँ। हमारी अपनी संवेदनशीलताएं हैं। खाड़ी देशों को यह समझना चाहिए।

वर्ष 1994 में कश्मीर पर जो ओआईसी संपर्क समूह बनाया गया था, उसमें सऊदी अरब, तुर्की, पाकिस्तान, अजरबैजान और नाइजर शामिल रहे हैं। बाद में सऊदी अरब, नाइज़र और अजरबैजान इस मुद्दे पर मौन रह गए। संपर्क समूह, ओआईसी सदस्यों के बीच बढ़ते सहयोग, कश्मीरी लोगों का तथाकथित स्वशासन और स्वायत्तता को समर्थन करने पर जोर देता था। पाकिस्तानी प्रशासन की हमेशा से यह हठधर्मिता रही है, कि इस मामले को संयुक्त राष्ट्र के रेज़ोल्यूशन के अनुसार कश्मीर का भविष्य तय किया जाना चाहिए। दरअसल, 1964, 1972, 1999 और 14 से 16 जुलाई, 2001 तक आहूत आगरा शिखर सम्मेलन में भी कश्मीर समस्या का समाधान पकिस्तान ने होने नहीं दिया।

वाशिंगटन स्थित वुडरो विल्सन सेंटर फॉर स्कॉलर्स के दक्षिण एशिया विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन एक ईमेल के ज़रिये रिएक्ट करते हैं, पाकिस्तान के पास वास्तव में कश्मीर पर कोई योजना नहीं है। यह पिछले कई वर्षों से कूटनीतिक आक्रमण कर रहा है, लेकिन ऐसे देश के लिए बिल्कुल नई बात नहीं है। पाकिस्तान लंबे समय से वैश्विक मंचों पर कश्मीर मुद्दे को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इससे एक स्वाभाविक प्रश्न उठता है, यदि अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक अभियान सफल नहीं होता है, तो इसकी दूसरी योजना क्या है? विशेषज्ञों का यह भी कहना है, कि कश्मीर पर पाकिस्तान की विदेश नीति में स्पष्टता का अभाव है, जो शासक आता है, कश्मीर उसकी कुर्सी मज़बूत रखने का बाइस बन जाता है। इस्लामाबाद के कायदे-आज़म विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सहायक प्रोफेसर, पाकिस्तान फैक्टर एंड द कम्पिटिन्ग पर्सपेक्टिव इन इंडिया के लेखक राजा कैसर अहमद कहते हैं, स्थिति में आक्रामक कूटनीति की आवश्यकता है। चीन, मलेशिया और तुर्की के अलावा, कोई भी अन्य देश कश्मीर पर इस्लामाबाद का समर्थन नहीं करता है। अर्थात, इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 57 में से केवल दो देश कश्मीर के इश्यू पर पाकिस्तान के साथ खड़े हैं। यह तो बड़ी शर्मनाक स्थिति है। ओआईसी के मंच पर कश्मीर का रोना रोकर पाकिस्तान, वित्तीय सहायता हथियाता रहा है, यह ढंकी-छिपी बात नहीं रह गई। जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के प्रोफेसर वली नस ने कहा, कि रियाद द्वारा नई दिल्ली की कश्मीर नीति पर भारत के खिलाफ कदम उठाने की संभावना दूर-दूर तक नहीं है। नस ने कहा, सऊदी अरब भारत को एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार के रूप में देखता है। तो क्या पाकिस्तान अब कश्मीर पर नए सहयोगियों की तलाश में है? इस समय जो संघर्ष चल रहा है, उसमें पाकिस्तान जिस तरह से अलग-थलग पड़ता जा रहा है, वह आने वाले दिनों में उसके लिए कुछ दूसरी तरह की मुश्किलें खड़ी करेगा, जिसकी शुरुआत उसकी घरेलू राजनीति से ही होगी!

हावड़ा सिटी पुलिस कमिश्नर ने साइबर थाने में 'साइबर कियोस्क हेल्पलाइन' का किया उद्घाटन।

मधुबनी के मशहूर (मिथिला) पेंटिंग का डिजाइन देकर बंगाल के एक पंखा कम्पनी ने सम्मान देते हुए अपने पंखे पर स्थान देकर बाजार में उतारा, बिके लाखों पंखे।

हावड़ा में एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंच बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय को सम्मानित करते भारतीय जनता पार्टी के नेता व अन्य।

रवीन्द्रनाथ टैगोर के जन्म दिवस पर कार्यक्रम में उपस्थित हुए हावड़ा के जिला शासक पी. दीपाप्रिया व अन्य।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए तिरंगा रैली व विशेष पूजा-अर्चना

हावड़ा (संजय कुमार सिंह): पाकिस्तान में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए मंदिरों में जुलूस और पूजा-अर्चना की गई। आज सुबह भाजपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय ध्वज लेकर हावड़ा मछली मार्केट से रैली निकाली और एसी मार्केट स्थित हनुमान मंदिर तक गए।वहां उन्होंने पूजा-अर्चना की और भारतीय सेना की सफलता के लिए प्रार्थना की। उपस्थित थे भाजपा के प्रदेश सचिव उमेश रॉय इसके साथ ही हावड़ा के प्राचीन रामराजातला राम मंदिर में विशेष पूजा समारोह आयोजित कर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए पूजा की गई।पहलगांम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर जवाबी हमला किया है। यह सफलता भारतीय सेना के लिए आ रही है। इसलिए भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सेना की कुशलता की कामना के लिए पूजा-अर्चना की।उन्होंने हावड़ा के रामराजतला राम मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर राज्य उपाध्यक्ष संजय सिंह और हावड़ा जिला अध्यक्ष गौरांग भट्टाचार्य उपस्थित थे।

मधुबनी एसपी ने फिर की एक बड़ी कारवाई

हरलाखी थानाध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार सहनी को किया निलंबित

मधुबनी (कुमार गौरव) : हरलाखी थानाध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार सहनी द्वारा एक वांछित व्यक्ति से अनुचित बातचीत करने की सूचना पर मधुबनी एसपी योगेंद्र कुमार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए निलंबित किया। सोशल मीडिया के।माध्यम से जारी मधुबनी पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार दिनांक 30 मई 2025 को हरलाखी थाना कांड 106/25 दर्ज करते हुए एक व्यक्ति को न्यायिक हिरासत मे भेजा गया था। थानाध्यक्ष का कांड के अभियुक्त के साथ अनुचित बातचीत करने की सूचना प्राप्त हुई। जिसके आलोक में हरलाखी थानाध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार सहनी का निलंबन हुआ। आपको बता दें कि बीते चार दिन शनिवार (3 मई) से मंगलवार (6 मई) के बीच 2 थानाध्यक्ष सहित 3 पुलिसकर्मी निलंबित हुए हैं। बीते दिनों बिहार के पुलिस महानिदेशक () ने पुलिसकर्मियों की भूमिका को लेकर सख्त निर्देश जारी किए थे और भ्रष्टाचार एवं अपराध से संबंध रखने वाले कर्मियों पर तत्काल कार्रवाई का आदेश दिया था। पिछले चार दिनों में हुए 3 निलंबन को उनके आदेश के आलोक में हुई कार्यवाही के रूप में देखा जा रहा है। मधुबनी पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मंगलवार को जिले के हरलाखी थानाध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार सहनी को मधुबनी एसपी योगेंद्र कुमार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया है। मधुबनी पुलिस द्वार जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार दिनांक 30 मई 2025 को हरलाखी थाना कांड 106/25 दर्ज करते हुए एक व्यक्ति को न्यायिक हिरासत मे भेजा गया था। थानाध्यक्ष का कांड के अभियुक्त के साथ अनुचित बातचीत करने की सूचना प्राप्त हुई। पुलिस अधीक्षक मधुबनी द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए अनुपुपदा बेनीपट्टी से जांच करायी गयी। जांच में थानाध्यक्ष हरलाखी थाना कांड के अभियुक्त से अनुचित बातचीत करते हुए पाया गया। मधुबनी पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार के द्वारा कठोर कार्रवाई करते हुए पुअनि जितेंद्र सहनी थानाध्यक्ष हरलाखी थाना को निलंबित किया गया है एवं विभागीय कार्रवाई प्रारंभ करने हेतु आदेश दिया गया है। आपको बता दें कि झंझारपुर अनुमंडल के लखनौर थाना क्षेत्र स्थित मैवी रही टोला में 26 अप्रैल की रात करीब एक बजकर 30 मिनट पर दो सगे किराना व्यापारी भाइयों के घर पंद्रह से बीस की संख्या में पहुंचे डकैतों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया। डकैतों ने गृहस्वामीयो के घर पर जमकर लुट पाट की थी और घर के लोगों को मारपीट कर जख्मी भी कर दिया था। इस घटना को लेकर लखनौर थानाध्यक्ष रेनू कुमारी द्वारा गंभीर गलती करते हुए डकैती की घटना को चोरी की घटना बना कर प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। जांच के बाद लखनौर थानान्तर्गत ग्राम मैवी में हुई घटना के प्राथमिकी में न्यूनिकरण करने पर मधुबनी के एसपी योगेंद्र कुमार ने कार्रवाई करते हुए लखनौर थानाध्यक्ष रेणु कुमारी को निलंबित किया था। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के द्वारा एसआई संतोष कुमार के खिलाफ अनुशासनिक कारवाई करने की अनुशंसा पर पुलिस अधीक्षक योगेन्द्र कुमार ने संतोष कुमार को कार्य में अनुशासनहीनता, कर्तव्यहीनता और लापरवाही के आरोप में निलंबित किया गया। इसके अलावा इनका भू-माफिया एवं बालू माफियाओं के साथ साठगांठ एवं थाना के बाहर अन्य तरह के गलत संलिप्त रहने की बात कही गई है। साथ ही ऐसी व्यवस्था को लेकर पुलिस की छवि धूमिल होती है और थाना की कार्यशैली प्रभावित होने के साथ माहौल बिगड़ने की बात भी कही गई है।

ज्ञात हो कि हाल ही में बिहार के पुलिस महानिदेशक () ने पुलिसकर्मियों की भूमिका को लेकर सख्त निर्देश जारी किए थे और भ्रष्टाचार एवं अपराध से संबंध रखने वाले कर्मियों पर तत्काल कार्रवाई का आदेश दिया था। इसी निर्देश के तहत जिले भर में यह कार्रवाई की गई है। जिसके तहत लखनौर एवं हरलाखी थानाध्यक्ष और जयनगर थाना में पदस्थापित एसआई का भी निलंबन हुआ है।

'बात हिन्दुस्तान की' के पांचवें वर्ष में प्रवेश करने पर आप सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, वितरकों एवं 'बात हिन्दुस्तान की' के पूरे परिवार को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। आशा करते हैं कि अब हमें नई ऊंचाइयों को छूने और चुनौतियों का सामना करने के लिए आपका सहयोग हमें निरंतर मिलता रहेगा। *-सम्पादक*

बेनीपट्टी के उच्चैठ में मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

मधुबनी (कुमार गौरव) : बेनीपट्टी थाना क्षेत्र के उच्चैठ हाथी गेट वाली सड़क के किनारे गली के भीतर स्थित एक फुस सह झोपड़ीनुमा घर में पुलिस ने नकली मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया। यह कार्रवाई बेनीपट्टी के डीएसपी निशिकांत भारती ने मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस बलों के साथ छापामारी कर की। डीएसपी ने बताया कि छापामारी में भारी मात्रा में शराब की खाली बोतलें, भरी हुई शराब की बोतलें, बोतल को सील पैक करने वाला ढक्कन, रैपर्स, केमिकल आदि नकली शराब बनाने वाला सामान बरामद हुआ है। डीएसपी ने बताया कि जिस घर से नकली मिनी शराब फैक्ट्री का खुलासा हुआ है उस घर की मौके पर मौजूद एक महिला को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। साथ ही उस घर के स्वामी के बारे में सत्यापन किया जा रहा है। डीएसपी ने बताया कि यहां नकली मिनी शराब फैक्ट्री चलाने में उच्चैठ के ही बरुण राय एवं उसके बड़े भाई अरुण राय सहित उसके सहयोगियों का नाम सामने आया है। बरुण राय जहां मर्डर कांड में वांटेड है वहीं अरुण राय फिलहाल जेल से जमानत पर बाहर है। डीएसपी ने बताया कि यहां सादा पानी में केमिकल डालकर नकली शराब बनाकर विभिन्न ब्रांडों की बोतलों में उसे सील पैक करता है।

बाद हिन्दुस्तान की
5वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं

Surendra Verma

बाद हिन्दुस्तान की
5वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं

Om Prakash Singh

बाद हिन्दुस्तान की
5वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं

Priyama Das

बाद हिन्दुस्तान की
5वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं

Pramod Singh

बाद हिन्दुस्तान की
5वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं

Prop. Prabir Kr. Das (Mo. 9641774152)

बाद हिन्दुस्तान की
5वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
PRADEEP KUMAR
south howrah
35 no ward
ward President

लाल किला के दावेदारी की याचिका खारिज की सुप्रीम कोर्ट

हावड़ा : मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर द्वितीय के परपोते की विधवा सुल्ताना बेगम ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, उस याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। इस पर सुल्ताना बेगम का कहना है कि हमने लाल किला नहीं मांगा हमने कहा था राजा महाराजाओं के घर थे महल थे तो बहादुर शाह जफर का घर कहां है। कोई भी मीडिया कह दे कि हमने लाल किला मांगा था। लेकिन बहुत उम्मीद थी कहते हुए रोने लगी और उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से बहुत उम्मीद लगी थी आज वह उम्मीद भी खत्म हो गई, अब हम जाएं कहां बहादुर शाह जफर इस वतन के लिए वफादारी की बच्चों को कुर्बान किया वे वतन गए ब्रिटिश गवर्नमेंट सब कुछ छीन लिया हमारे पास बचा क्या ? अब मैं कहां जाऊं एक सुप्रीम कोर्ट पर ही उम्मीद था वह भी खत्म हो गया। हम लाल किला या फतेहपुर सीकरी नहीं कहा और हमें यह भी नहीं पता कि उनके घर कहां है हमने उनके घर की मांगा कीथी आज वह भी सुप्रीम कोर्ट से मेरी उम्मीद खत्म हो गई। कभी-कभी सोचती हूं कि बहादुर शाह जफर ने वफादारी बेकार की क्यों अपने औलाद को कुर्बान किया वतन से वे वतन गए उनका जो था सब-कुछ ताज छीन लिया गया सारा हिंदुस्तान छीन लिया गया, लेकिन जो गद्दार थे आज वह ऊंची उड़ान भर रहे हैं और जो अपने वतन से जुड़े रहे वफादारी किया आज उनका खांदान दर-दर की ठोकरे खा रहा है। अगर मुझे भी गद्दारी करना होता तो 1981 में अमेरिका से पेरिस से लोग आए थे उन्होंने कहा था चलिए वहां यहां पर आपका कोई इज्जत नहीं है आपका बच्चे लोग भी वहां ठीक से रहेंगे अगर मैं वतन से गद्दारी करती तो मेरे बच्चे भी आज हाई लेवल पर रहते लेकिन मैं बहादुर शाह जफर के ऊपर नजर डाली की कोई यह ना कहे कि यह वतन से वफादारी की और उनकी बहू गद्दारी की है हमें पाकिस्तान से भी ऑफर आया हमने काहा पाकिस्तान हम नहीं जाएंगे हम अपने वतन से ही जुड़े रहेंगे हम बहादुरपुर शाह जफर को शर्मिंदा नहीं होने देंगे।आज जिसका अंजाम हमें यह मिल गया अब कहां जाऊं किसके आगे जाऊं। अब पता नहीं लोगों के दिल में क्या है यह तो नहीं बता सकते ।गद्दारों को देखिए मिर्जाफर टीपू सुल्तान को इतना क्यों दे दिए मैं हैदराबाद भी गई वहां भी उनको इतना संपत्ति दिया गया तो जो गद्दार थे वतन से वे ऊंची उड़ान भर रहे हैं आज हम दर-दर की ठोकरे खा रहे हैं एक उम्मीद थी सुप्रीम कोर्ट से वह भी खत्म हो गया अब आगे क्या करना है वह देखते हैं जो नसीब में होगा वह होगा सरकार भी तो देख रही है सरकार भी हमारी हालत देख रही है हमने अभी तक सरकार से कुछ भी नहीं कहा है ना ही कोई दरखास्त दिया है मैं झूठ नहीं बोल सकती मैं उनके पास कोई आवेदन नहीं किया देखते हैं आगे क्या होता है नहीं होगा तो उन्हीं का दामन पकड़ेंगे शायद अगर कुछ हो जाए यह एक उम्मीद है। देखते आगे क्या होता है अभी तो हमने कुछ सोचा ही नहीं। मेरे पैर के नीचे से जमीन खिसक गई अब सुप्रीम कोर्ट को भी क्या करें वह भी क्या कर सकते हैं लेकिन उम्मीद थी वह हमारा किस्मत या वफादारी हो बहादुर शाह जफर की आज यह हालत है।

बरामद हुए 8 देसी पिस्तौल, 16 मैगजीन

अगरतला : रेलवे सुरक्षा बल ने त्रिपुरा सुंदरी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 14620) में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए हथियारों की तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। बदरपुर से अगरतला के बीच सफर के दौरान, की ट्रेन एस्कॉर्ट टीम ने जनरल कोच की तलाशी के दौरान दो संदिग्ध पिट्ठू बैग जब्त किए, जिनमें से 8 हस्तनिर्मित देसी पिस्तौल और 16 मैगजीन बरामद किया। अधिकारियों के अनुसार, अगरतला पोस्ट के सुरक्षा कर्मी वर्तमान सुरक्षा स्थिति को देखते हुए गहन निगरानी अभियान चला रहे थे। इसी दौरान जनरल कोच की ऊपरी सीट पर छोड़े गए दो बैगों की जांच की गई। बैगों में भूरे रंग के सेलो टेप में लिपटे हथियार पाए गए। बरामद हथियारों को पोस्ट अगरतला में जमा कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया है। मामले की जांच अगरतला ने शुरू कर दी है।

नकली डी आर एम पहुंचे जेल

दिल्ली : सतर्क टिकट चेकिंग एवं आर पी एफ स्टॉफ ने पकड़ा फर्जी डी आर एम। टिकट चेकिंग स्टॉफ श्री अमरजीत सिंह गाड़ी संख्या 12138 पंजाब मेल में अपनी नियमित ड्यूटी पर थे। इस दौरान जब वो ट्रेन को चेक करने के दौरान उनको प्रथम श्रेणी वातानुकूलित के /-1 कोच के कूपे सं -बी में एक व्यक्ति यात्रा करते हुए मिला। उससे जब परिचय पूछा गया तो उसने अपने आप को मंडल रेल प्रबंधक बताया । सतर्क स्टॉफ ने संदेह होने पर उनसे उनका परिचय पत्र एवं ट्रैवल अथॉरिटी मांगी गई पर वह व्यक्ति कोई भी ऐसा प्रपत्र नही प्रस्तुत कर सका। उसके बाद श्री सिंह ने रेलवे सुरक्षा बल को सूचना दी। उनके द्वारा भी पूछताछ करने पर उसने अपना नाम- वरुण सेगल बताया पर ना तो कोई भी कार्ड और ना ही ऐसा कोई उसके पास अधिकृत कागजात थे जिससे कि यह सिद्ध हो पाए कि उसकी पहचान क्या है । इसके उपरांत बीना स्टेशन पर टीटीई द्वारा मेमो देकर रेलवे सुरक्षा बल बीना के सहायक उप निरीक्षक श्री कंचन कुमार ताम्रकार व राजकीय रेलवे पुलिस के सहायक उप निरीक्षक श्री केवल सिंह को उक्त के संबंध में बताया तब तक गाड़ी के सिग्नल हो गए थे इसलिए बीना में उक्त व्यक्ति को नहीं उतार पाए। इसके बाद उक्त व्यक्ति को गाड़ी चलने पर 2 स्टाफ के साथ भोपाल भेजा गया।

इसी क्रम में टीटीई द्वारा उक्त फर्जी डी आर एम महोदय से किराया जुर्माना 4170/- रुपए वसूला गया। ट्रेन के भोपाल स्टेशन पर पहुंचने पर टीटीई के मेमो पर राजकीय रेलवे पुलिस भोपाल उक्त व्यक्ति को अग्रिम कार्यवाही हेतु अपने साथ ले गई। जीआरपी थाना भोपाल द्वारा प्रस्तुत तहरीर पर रेल सुरक्षा बल भोपाल पोस्ट द्वारा अपराध क्रमांक 1621/ 25 धारा 145,146 के तहत आरोपी वरुण सहगल पर रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई, जिसके तहत माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी पर छ1500 जुर्माना तथा रेलवे रसीद संख्या 976507 के तहत 4100 का दंड किया गया है। रेल प्रशासन अपने सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि उचित यात्रा प्रपत्र/ टिकट लेकर ही यात्रा करें अन्यथा जुर्माने या जेल या दोनो हो सकता है एवं व्यक्तिगत सम्मान की क्षति भी सामाजिक रूप से होगी।

पुरुष यात्री महिला विशेष कोच में प्रवेश न करे

कोलकाता (सोनी कुमारी झा) : पूर्व रेलवे अपने सभी यात्रियों, विशेषकर महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा सुनिश्चित करने हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, स्थानीय और पैसेंजर ट्रेनों में विशेष रूप से महिला यात्रियों के लिए विशेष कोच निर्धारित किए गए हैं। यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि महिला यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इन प्रयासों के बावजूद, यह देखा गया है कि पुरुष यात्रियों का एक वर्ग महिलाओं के लिए आरक्षित कोचों में चढ़ता रहता है, जिससे नियमों का उल्लंघन होता है और महिला यात्रियों की निजता और आराम में दखल होता है। यह व्यवहार न केवल गैरकानूनी है बल्कि बेहद आपत्तिजनक भी है। इस मुद्दे से निपटने के लिए पूर्व रेलवे ने सतर्कता और प्रवर्तन उपायों को तेज कर दिया है। पूर्व रेलवे का रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) नियमित रूप से विभिन्न स्टेशनों पर जांच और औचक छापे मारती है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, 1 से 7 मई 2025 तक अकेले महिला यात्रियों के लिए आरक्षित कोचों में अनधिकृत यात्रा करने के लिए 628 पुरुष यात्रियों को पकड़ा गया। पूर्व रेलवे एक बार फिर सभी पुरुष यात्रियों से अपील करता है कि वे महिलाओं की निजता और गरिमा का सम्मान करें तथा महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में प्रवेश करने से बचें। महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल सुनिश्चित करने में जनता का सहयोग आवश्यक है। महिलाओं को अक्सर अपने साथी यात्रियों, खासकर पुरुषों के समर्थन के बिना अपने अधिकारों की रक्षा करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। हम सभी यात्रियों से आग्रह करते हैं कि वे महिला कोचों की पवित्रता को बनाए रखने और हर महिला की गरिमा और सुरक्षा को बनाए रखने वाले यात्रा अनुभव को बनाने में पूर्व रेलवे का सहयोग करें। आरपीएफ अपनी सख्त निगरानी जारी रखेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उल्लंघन करने वालों पर उचित कार्रवाई हो।

बड़े पर्दे पर 'भाभी जी'

छोटा पर्दा

दर्शकों के पसंदीदा शो 'भाभीजी घर पर हैं' पर फिल्म बनने जा रही है। फिल्म में शो के मूल कलाकार ही मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। शो में 'अंगूरी भाभी' का किरदार निभाने वाली शुभांगी अत्रे इस फिल्म से वॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

शुभांगी ने कहा, ''मैं एक एक्टर और एक कलाकार हूं और कोई फर्क नहीं पड़ता कि माध्यम क्या है, चाहे वह टी.वी., फिल्में, ओ.टी.टी. या थिएटर हो, मैं पूरी लगन और अनुशासन के साथ अपना 100 प्रतिशत देने में विश्वास करती हूं। बेशक, 'भाभीजी घर पर हैं' पर अब एक फिल्म बनाई जा रही है, इसलिए काम काफी हद तक वैसा ही है जैसा हम टेलीविजन पर करते हैं लेकिन फिर भी, एक अलग तरह की घबराहट और उत्साह होता है।''

शुभांगी ने कहा, ''भले ही मैं वर्षों से अंगूरी का किरदार निभा रही हूं, लेकिन फिल्म के लिए परफॉर्म करना अलग लगता है। हालांकि, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हूं और अपनी पूरी कोशिश कर रही हूं, जैसा कि मैं हमेशा करती हूं। मैं वाकई बहुत खुश हूं, लेकिन साथ ही, मैं थोड़ी नर्वस भी महसूस कर रही हूं। मैं बस अपने प्रशंसकों से ढेर सारा प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाएं चाहती हूं।''

उसने कहा, ''सबसे पहले, हमारी फिल्म में कुछ नए कलाकार शामिल हुए हैं, इसलिए उनके साथ कैमिस्ट्री बनाना एक नया अनुभव है। दूसरा, टी.वी पर हम अक्सर प्रदर्शन करते समय सुधार करते हैं, लेकिन एक फिल्म में हमें बहुत सटीक होना पड़ता है। हम अनावश्यक संवाद नहीं जोड़ सकते, जैसे हम कभी-कभी टी.वी. सीरियल की शूटिंग में करते हैं।''

शुभांगी फिल्म में एक्शन सीक्वेंस भी करती नजर आएगी। उसने बताया, ''यह मेरे लिए कुछ नया है और मैं वास्तव में उत्सुक हूं कि स्क्रीन पर कैसे दिखाई देंगे।''

स्वत्वाधिकारी **'बात हिन्दुस्तान की'** (पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-**वैद्यनाथ झा,** फोन- 9798848926 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Baidyanath Jha** Mo. 9798848926, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)